सामाजिक समूह के निर्माण के आधार
(Bases of Social Group formation)

लोग आखिर समूह में क्यों रहते हैं या समूह में रहने का मुख्य आधार क्या है? समाज में समूहों के निर्माण के कई कारण या आधार हैं जिसे लिकटर ने चार खण्डों में विभक्त किया है जो निम्नलिखित हैं:—

(1) सामान्य वंश :—

समाज में बहुत लोग रक्त या विवाह के आधार पर इकट्ठे रहना चाहते हैं। परिवार या ग्रामीण समुदाय जैसे समूहों का मुख्य आधार सामान्य कुल परम्परा ही है। आदिमजाति समाज में कुल जनजातीय समूहों का मुख्य आधार होता है।

(2) सामान्य क्षेत्र :—

क्षेत्रीय समानता का आधार पर भी सामाजिक समूहों का निर्माण होता है। पड़ोसी और ग्रामीण समुदाय का मुख्य आधार क्षेत्रीय समानता है। खिलाड़ियों का समूह, नागरिक क्लब एवं क्षेत्रवाद या क्षेत्रीय समूह का आधार सामान्य क्षेत्र का होना है।

(3) सामान्य शारीरिक विशेषता :—

बहुत बार समूहों का निर्माण जैविक विशेषताओं के आधार पर होता है। जैसे - युवा क्लब, महिला मण्डली, नृजाति समूह इत्यादि।

(4) सामान्य हित या स्वार्थ :—

समान किस्म के स्वार्थ वाले व्यक्तियों का एक समूह होता है। उद्देश्य की समानता का अभाव में समूह का निर्माण सम्भव नहीं है। यही कारण है कि विभिन्न किस्म के खिलाड़ियों का अलग-अलग समूह होता है। संगीतकारों का अपना समूह होता है। व्यापारियों का एक अपना समूह